कुलपति की कलम से

प्रो. आर.सी. कुहाड़
एफएनएएएस, एफबीआरएस

हम मिलकर करें कुछ नया.....

कोई संस्थान एक दिन में या एक ही व्यक्ति द्वारा नहीं बनाया जाता है। इस कार्य में समय, धैर्य, टीम कार्य और सब के लिए प्रेरणादायक दूरदृष्टि की आवश्यकता है। हकेंविवि, अपने वर्तमान स्वरूप में, इन्हीं प्रयासों का परिणाम है। मैं अपने कर्तव्य में असफल हूँगा यदि मैं विश्वविद्यालय के विकास में समय-समय पर अपने-अपने तरीकों योगदान देने वाले सभी हितधारकों के योगदान को स्वीकार नहीं करता हूँ। मैं विश्वविद्यालय को वर्तमान स्वरूप में विकसित में लगाई गई ऊर्जा और समर्पण की मात्रा की कल्पना कर सकता हूँ। मैं छात्रों, स्टाफ और संकाय सदस्यों को उनके सामूहिक प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूँ और विश्वविद्यालय के सभी पूर्व कुलपतियों और विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों द्वारा विश्वविद्यालय की प्रशासनिक, शैक्षणिक और अनुसंधान की दिशाओं को आकार देने में दिए गए योगदान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ।

विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के मंदिर हैं। राष्ट्र और शैक्षणिक और अनुसंधान स्थलों के रूप में इन्हें राष्ट्र तथा इसके लोगों के विकास हेतु महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इन्हें अपने विश्वास, आकांक्षाओं और प्रेरणा के संरक्षक के रूप में कार्य करना होगा। एक समावेशी अधिगम स्थल के रूप में, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भी इस सामाजिक रूप से उत्तरदायी शैक्षणिक और अनुसंधान छलांग के लिए तैयार है। हालांकि इसके कार्यान्वयन के लिए अकादमिक उत्कृष्टता और अत्याधुनिक अनुसंधान के एक अभिनव मिश्रण की आवश्यकता है। यह विश्वविद्यालय, उद्योग और समाज के बीच सहजीवी अंतर-संबंध की मांग करता है। हमारे पास इन क्षमताओं और आकांक्षाओं को साकार करने के साधन हैं। आइए, जो हमारे पास जो है उसे मजबूत करें और अपने सपनों को साकार करने के लिए इसे पुनरभिमुख करें। आइए, हम अपने आप को नवीन शिक्षण के साथ तैयार करें जो हमें पारंपरिक कक्षा की सीमाओं से आगे बढ़ने में सहायता करेगा और बहु-विषयी दृष्टिकोण के माध्यम से ज्ञान का प्रसार करने के लिए इन्हें आदर्श अनुदेश क्षेत्रों में बदलें। विश्वविद्यालय शिक्षण-अधिगम समुदाय को नवीनतम संसाधनों के साथ सुविधाएं देगा जिसमें आभासी शिक्षण कक्षों, ऑनलाइन ई-संसाधन (ओईआर) और विचारों और ज्ञान के खुले आदान प्रदान हेतु अनुकूल माहौल विकसित और पोषित करने के लिए एमओओसी प्रदान करेगा।

संस्था के प्रमुख के रूप में, मैं ज्ञान और रोजगार के नए रास्ते खोलने तथा मौजूदा ताकत का उपयोग करते हुए और शिक्षा और अनुसंधान के नए व अत्याधुनिक क्षेत्रों में क्षमताओं निर्माण करते हुए तालमेल बनाने हेतु प्रयास करेगा। पाठ्यक्रम में नवप्रवर्तनों और अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से विश्वविद्यालय संपूर्ण शिक्षण-अधिगम वितरण प्रक्रिया के परिणाम को इष्टतम बनाने के लिए भरसक प्रयास करेगा। संपूर्ण शिक्षण के दौरान 'शिक्षार्थी केंद्रित' दृष्टिकोण के विकास पर ध्यान केंद्रित होगा जो छात्रों की

वैविध्य आवश्यकताओं को पूरा करे। इस दृष्टि से 'प्रत्यक्ष' (हैंड्स ऑन) प्रशिक्षण, अधिगम और शिक्षा को एक बड़ी गति दी जाएगी और पाठ्यक्रम उद्योग भागीदारों के सहयोग से रूचि आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस), राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचा (एनएसक्यूएफ) राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता ढाँचा_(एनएसवीईक्यूएफ) के संगत तैयार और अद्यतन किया जाएगा। अर्थव्यवस्था के खुले होने और विनिर्माण और सेवा क्षेत्र पर विशेष जोर देने के साथ पाठ्यक्रम को बदलने की घोर आवश्यकता है जो सीधे तौर पर इन दो क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करता हो। इसे बी.वोक., सामुदायिक कॉलेज और कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण-व-उद्भवन केंद्र जैसी प्रस्तावित पहलों के माध्यम से हासिल किया जाएगा।

विश्वविद्यालय छात्र-केंद्रित बुनियादी सुविधाएँ पहले ही सृजित कर चुका है। पठन-सामग्री और संदर्भ पुस्तकों गुणवत्तापरक संस्करणों से युक्त पुस्तकालय, कर्मचारियों के लिए सामान्य आवास, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग छात्रावास और जिम की सुविधा, हॉटलाइन बिजली कनेक्शन, सौर हीटिंग सुविधा, परिसर में पीएनबी शाखा, विश्वविद्यालय की बस सेवा, छात्रों के लिए स्वास्थ्य और दुर्घटना पॉलिसी, विश्वविद्यालय स्तर की छात्रवृत्ति योजनाएँ जैसे, पढ़ाई के साथ कमाएं और मेरिट-कम मीन्स, अध्ययन हॉल, मनोरंजन कक्ष पहले से मौजूद और पूरी तरह से क्रियाशील हैं।

ज्ञान के सृजन और आदान-प्रदान की सुविधा देने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक और भौतिक आधारभूत संरचना के साथ विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और निकट भविष्य में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करने की विश्वविद्यालय की दूरदृष्टि को साकार करने हेतु टीम भावना और सामूहिक प्रयासों के साथ अभिनव क्रियाकलापों में सदैव नए कीर्तिमान हासिल करने के लिए प्रयत्नशील है।

हमारे द्वारा अब तक हासिल किए कीर्तिमान सराहनीय हैं, लेकिन पर्याप्त नहीं हैं। हमें गति से बढ़ाना और दूर तक जाना है। लेकिन हम सब यदि हाथ से हाथ मिलाकर और ईमानदारी से प्रयत्न करें ...तो कुछ भी असंभव नहीं है। इसलिए आइए, हम सभी - छात्र, शिक्षक और प्रशासनिक कर्मचारी हाथ से हाथ मिलाकर और ईमानदारी से आशा, आकांक्षाओं, क्षमताओं और संभावनाओं की इस यात्रा में ईमानदारी से बढ़ें।

शुभकामनाएँ!

प्रो. आर.सी. कुहाड़